भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 5714
दिनांक 04.04.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त की व्यवस्था

5714. **श्री यूसुफ पठानः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास हाल ही में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त की व्यवस्था के संबंध में चीन के साथ हुए समझौते के आंकड़े हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सैनिकों को प्रभावी ढंग से नियंत्रण रेखा से पीछे हटाने और भावी संघर्षों को रोकने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ग) भारत और चीन ने 21 अक्टूबर 2024 को देपसांग और डेमचोक में भारत-चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर सहमति व्यक्त की, जिसके परिणामस्वरूप अप्रैल/मई 2020 से टकराव के सभी बिंदुओं से सैनिकों को वापस बुला लिया गया। यह भी सहमति व्यक्त की गई है कि गश्त कार्य और जहाँ भी लागू हो, इन दोनों क्षेत्रों में टकराव शुरू होने से पहले लंबे समय से चली आ रही परिपाटी के अनुसार पशुओं की चराई फिर से शुरू की जाए। यह करार तब से ही प्रभावी है और सहमत तौर-तरीकों एवं समय सीमा के अनुसार लागू किया गया है।

अक्टूबर 2024 में सेना को वापस बुलाने के बाद से अनेक बैठकों में प्रभावी सीमा प्रबंधन और अमन एवं शांति बनाए रखने के उपायों पर चर्चा की गई है, जिसमें दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधियों की 23वीं बैठक और मार्च 2025 में भारत-चीन सीमा मामले संबंधी परामर्श और समन्वय हेतु कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 33वीं बैठक शामिल है।

****